

हिन्दी विभाग

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस : कवि सम्मेलन : 28 नवम्बर 2024

छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हृदा विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कावे सम्मलेन में सबप्रथम विभाग प्रमुख डा रमेश टडन के संयोजन में कावेत्रय ने मा शारद को पूजा की। कुंती, नेशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाय। दुर्गश, आकाक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुरे के मध्य सञ्चालन में डा रमेश टडन ने आमोत्रत कावेयों का स्वागत करते हुए “तै मार गुरतुर बोलो” कावेता कहकर छत्तीसगढ़ को लुप्त स्त्रीलोकों को और सभी का ध्यान आकृष्ट किया। तत्पश्चात् घरघोड़ा से पैदारो डा रामेश को सह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में शृंगार के गीत गाकर श्रीता छात्रों के बीच आवेस्मणीय छाप बनायी। बिन्चकोट से युवा छदकार मनोहर दास वैष्णव “बैरागी” ने छत्तीसगढ़ी में छद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी। साथ में उनको धर्म पत्नी नूतन भी थी। खरासेया से कई कैताबों के प्रणिता गुलाब सह कवर “गुलाब” ने स्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कावेता सुनाकर छात्रों में नवोन ऊजों का सचार किया और खुद का धर्मपत्नी पर कावेता सुनाइ। छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया।

विभागीय प्रोफेसर डा डायमड साहू, कुसुम चौहान, अजना शास्त्री साहेत छात्र पारेषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अजलो सेदार, पुष्पेन्द्र राठेया, नेशा सेदार, राजकुमारी सेदार, कुती सेदार, नमेदा राठेया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुरे, तोष कुमारी साहू, आकाक्षा राठोर, सुनीता राठेया एवं सलोम राठेया, गज बाई, दुर्गश पटेल, उमा साहू, डोलेश्वरी साहू, नेशा सेदार, प्रांती राठेया, नेशा राठेया, टेकेश्वरी गुप्ता, नेह महंत, मंगलासो, शांते भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवशं, गुलापी राठेया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चद्रा आदि छात्रों ने कावे सम्मलेन का भरपूर आनंद लिया।







खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मलेन आयोजित

दण्डाढ़ श्रृंगारकृति

उत्तीर्णगढ़ी भाषा के उद्घाटन के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदू विभाग में उन्नीकालारे भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, आयोजित कर्तव्य सम्पादन में श्रवणशक्ति विभाग प्रधान श्री रमेश ठड़के सम्मेलन में कवित्रयों ने भी साझेदारी की।

कुठु, जिराज, गोलहुबादी ने गावल गीत गाया, दुर्गेश, शाकाला, पुष्पा, गहूत, मनेज, साहू, पुष्पेन्द्र आदि के सहचरण एवं ब्रह्मदेव जैव के चर महालन में छी भेंश ठड़के ने आमोंवित कविताओं का स्वागत करते हुए -ही भेंश गुरुतुरु बोली- कविता करकर, छत्तीसगढ़ की तुला संक्षिप्ति की ओर दर्शाएं कर द्यन आकृष्ट किया। गतप्रकाश चरतोऽप्ने से पकाये छी संविधानों द्वारा एकादृश ने सुखनारा यथा ने छत्तीसगढ़ में शुभाक के गीत गच्छ शोला जाओ के बीच आवधानोंय छाप बनायी। बिन्दुकोट में युवा अद्यका मरोहर दास गोपाल जैराणी ने छत्तीसगढ़ी में छें एवं एक एक भूनवर खुल बाहवाली लुटी। सबक में उनको धर्म पर्वी नृत्य भी थी। स्वर्णमया में कई बिनावों के प्रतीत मुख्य विन्दु विवर गुलाब ने मस्तक छत्तीसगढ़ में गीत और कविता सुनाकर अजना में नवान कलाओं का संक्षरण लिया और खुद की अधिकारी पर कविता सुनाई। अजन कौफल ने भी एक गीत गया।

विभागीय श्रृंगारकृति द्वारा दर्शनार्थी सहृदय, वृक्षम चौहान, अजना शास्त्री गोपाल छात्र चरित्र के पद्धतिकारी अल्पसंग्रह जायसवाल, पवन



जयप्रकाश, श्रेष्ठ साहार, अंजली रियार, पुष्पेन्द्र शर्मिला, निता रियार, राजकुमारी शिवदर, कुलीन मिश्र, नरेन्द्र राठेय, स्वेतन बैश, बोधाल दास, श्रद्धा चूर्णी, ताप बुनायी सहृदय, अजनेश्वर रामेश, सुनीत राधेश एवं विनायक गरिलु, विवेक गहेल, सीन बनर्जी, बनगन चंद्र आदि जारी संस्कृत राधिया, गेज लाल, द्वारा वर्मा, उमा महार, दीपालीर्थी सहृदय, निता

सिंहर, श्रीति राठिय, निता राजिया, दिक्षेष्ठा गृहीत, नेहा महेश, पंगाला, गालि भास्तुरा, नीटू जोशी, गृजा नामदेशी, गुलामी राठिय, गहूल दास, विनायक गरिलु, विवेक गहेल, सीन बनर्जी, बनगन चंद्र आदि जारी ने कवि सम्मलेन का भवानु अनन्द लिया।

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

जनकर्म न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम विभाग प्रभुरु डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने मौं शारदे की पूजा की।

कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया। दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुर्के के मंच सज्जालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए तै भौम गुरुतुर बोली कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुम संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। तत्पश्चात घरधोड़ा से पधारी डॉ रुकिमणी सिंह राजपूत ने



सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायी। बिन्द्यकोट से युवा छेंदकार मनोहर दास वैष्णव बैरागी ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खुब बाहवाही लूटी। साथ में उनकी धर्म पत्नी

नृतन भी थीं। खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कँवर गुलाब ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन काजीं का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई। छात्र कौशल ने भी एक

गीत गाया। विभागीय प्रोफेसर डॉ डायमंड साह, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद् के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिद्धार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिद्धार, राजकुमारी सिद्धार, कुंती सिद्धार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुर्के, तोष कुमारी साह, आकांक्षा राठिया, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साह, डॉलेश्वरी साह, निशा सिद्धार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंशी, गुलापी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चंद्रा आदि छात्रों ने कवि सम्मेलन का भरपूर आनंद लिया।

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित



खरसिया। छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की। कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया। दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्णेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुरें के मंच सञ्चालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए तैन मोर गुरुतुर बोली। कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुस संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारी

डॉ रुकिमणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायी। बिन्चकोट से युवा छंदकार मनोहर दास वैष्णव बैरागी ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी। साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थीं। खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कंवर गुलाब ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई। छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया। विभागीय प्रोफेसर डॉ डायमंड साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र

परिषद् के पदाधिकारी अनन्तपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिदार, पुष्णेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुरें, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डीलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंशी, गुलापी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चंद्रा आदि छात्रों ने कवि सम्मलेन का भरपूर आनंद लिया।

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मलेन आयोजित



लोक किरण/ डिग्री लाल सिंहर

खरसिया -छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की। कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया। दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुरें के मंच सज्जालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए -तैं मोर गुरतुर बोली- कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुम संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारी डॉ रुविमणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में शृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायी। बिन्वकोट से युवा छंदकार मनोहर दास वैष्णव -बैरागी- ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही

लुटी। साथ में उनकी धर्म पत्ती नूतन भी थीं। खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कौवर -गुलाब- ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्ती पर कविता सुनाई। छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया।

विभागीय प्रोफेसर डॉ डायमंड साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिद्धार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिद्धार, राजकुमारी सिद्धार, कुंती सिद्धार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुरें, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, ढीलेश्वरी साहू, निशा सिद्धार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महत, मंगलासो, शाति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवर्णी, गुलामी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल।